Roll No. ....

D–3551

B. Sc. (Part I)
EXAMINATION, 2020

(New Course)

(Foundation Course)

HINDI LANGUAGE

Paper First

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) अनुवाद को स्पष्ट करते हुए एक अच्छे अनुवादक के गुणों पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

पल्लवन का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके महत्व और उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'ईदगाह' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखते हुए बताइए कि इससे आपको क्या शिक्षा मिलती है। 7

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **सात** पारिभाषिक शब्दावली का हिन्दी में नाम लिखिए :

(i) Performance

(ii) Head of Office

(iii) Chairman

(iv) Secretary General

(v) Administrator Officer

(vi) Cashier

(vii) Accountant

(viii) Prochncellor

(ix) Investigator

(x) Act

2. (अ) हिन्दी में शब्द के कितने प्रकार होते हैं ? विस्तार से बताइए। 8

अथवा

लोकोक्ति से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित समझाइए।

(ब) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7

तरु-तण वन-लता-वसन
अंचल में खचित सुमन,
गंगा ज्योतिर्जल-कण
धवल-धार हार गले!
मुकुट शुभ्र हिम-तुषार
प्राण प्रणव ओंकार,
ध्वनित दिशाएँ उदार,
शतमुख-शतरव-मुखरे!

अथवा

निरालाजी द्वारा रचित 'भारत वंदना' कविता का केंद्रीय भाव समझाइए।

3. (क) देवनागरी लिपि का महत्व एवं उपयोगिता बताइए। 10

अथवा

संक्षेपण से आप क्या समझते हैं ? अर्थ एवं परिभाषा लिखते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ख) हरिशंकर परसाईजी ने अपनी रचना 'भोलाराम की जीव' में किस सामाजिक अव्यवस्था को उजागर किया है ? विस्तृत विवेचना कीजिए। 5

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यांश का शीर्षक देते हुए अपने शब्दों में सारांश लिखिए :

मनुष्य की चेतना और तर्क करने की शक्ति ही उसे पशु से अलग करती है। तर्क के आधार पर मनुष्य के ज्ञान के अक्षय कोश का संचयन किया है। मनुष्य ने इसी ज्ञान के बल पर प्रकृति की पार्श्विक शक्तियों को चुनौतियाँ दी और निरंतर संघर्ष करके उस पर अपनी सफलता सुनिश्चित की। लेकिन कभी-कभी मुनष्य के जीवन में ऐसा भी समय आता है जब उसे अपने किये हुए कार्य का पछताना पड़ता है, दुःखी होना पड़ता है। इस दुःख की अग्नि से वह अपने वर्तमान के स्वर्णिम क्षणों को दुखद बना देता है ऐसे में याद आता है कि तब शांति थी, समय था पर मैं कुछ न कर सका। इतिहास इस बात का स्पष्ट आभास कराता है कि कितने ही पुरुष भाग्य के थपेड़ों को सहकर भी समय की गति के साथ चलते रहे। उन्हें जो समय जिस कार्य के उपयुक्त लगा, उन्होंने उसी के अनुरूप व्यवहार किया और अपने जीवन में निश्चित सफलता प्राप्त की। अतः लोहे के अपने मनोनुकूल तभी बनाया जा सकता है जब लोहा गरम हो और समय उपयुक्त। समय पर कार्य न करने वालों को शंकराचार्य ने गूँगा, बहरा और विक्षिप्त बताया है इसलिए, परिस्थिति को पहचानने वाले एवं समय पर कार्य करने वाले का सफलता सदैव वरण करती है।

4. (क) कम्प्यूटर में हिन्दी के अनुप्रयोग का महत्व समझाइए। 8

अथवा

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) इंटरनेट के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव

(ii) कम्प्यूटर और मानव जीवन

(ख) शिकागो से स्वामी विवेकानंद का पत्र का सार अपने शब्दों में बताइए। 7

अथवा

स्वामी विवेकानंदजी ने शिकागो यात्रा के दौरान लिखे अपने पत्र में भारतवासियों के विकास के लिये किन बातों पर जोर दिया है ?

5. (क) मानक भाषा की आवश्यकता से आप क्या समझते हैं ? 7

अथवा

मानक हिन्दी के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ख) आधुनिककाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए। 8

अथवा

सामाजिक गतिशीलता का सामान्य परिचय देते हुए उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए।